

119 पत्रावली पेश हुई, उग्रयपक्ष उपस्थित, उग्रयपक्षों
की बहस सुनी गई। आदेश देते पत्रावली
दिनांक 31-1-19 को पेश हो।

31-1-19 पत्रावली पेश हुई, उग्रयपक्ष उपस्थित, उग्रयपक्षों
की बहस दिनांक 24-1-19 को सुनी गयी थी। प्राथीगण
अधिवक्ता ने अपनी बहस में बताया कि प्राथीगणों को
अस्थायी निषेधाज्ञा नहीं मिली तो उसे अपूरणीय क्षति
होगी।

मैंने पत्रावली में उपलब्ध दस्तावेजों एवं प्राथीगण
के अधिवक्ता की बहस पर ममन किया जाकर
प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 212 R-T-A के तहत
मूल वाद पत्र के विस्तार तक अस्थायी निषेधाज्ञा
धारी की जाती है।

पत्रावली फंसल शुमार होकर मूल वाद पत्र के साथ
संलग्न हो।

उपखण्ड अधिकारी
मांडल जिला मीलवाड़ा